

## HISTORY

इतिहास

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिखे गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खण्ड - I

**Note :** Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सात (7) शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। (5x5=25 अंक)

As the empire grew in size and its resources needed to be controlled, so did the need for an efficient and authoritative administrative system increase. Initially there was respect for Indian tradition and no attempts were made to impose European ideals. But soon this mid-eighteenth century construction of a "rational" Asia began to wane, as the conquerors felt the need to assert sovereignty and exert control to ensure a steady flow of revenue. The idea of cultural particularism gradually began to lose ground in the face of Evangelical attacks and the utilitarian ideal for reform. The idea of improvement led to the introduction of British principles of justice and uniformity under a civil authority exercised by British personnel. Good laws and sound administration, it was hoped, would lead to the freeing of individual initiative from despotism, irrational customs and traditions. It would give free and full scope for capital and labour and place due emphasis on individual rights and ownership. The utilitarians advocated the 'Rule of Law' for India, while a uniform system of administration, throughout the conquered territories also suited British interests.

Until 1818 the Company acted more like a traditional Indian ruler, avoiding intervention or intervention, but keeping nonetheless a vigilant eye on extracting agricultural surplus. But this scenario gradually changed under the ideological pressure of the intellectual movements mentioned above and also because the Industrial Revolution in Britain necessitated an integration of the markets throughout India and her development as a source for agricultural raw materials. All this required and unequivocal assertion of sovereignty, much greater penetration into Indian economy and society and control over Indian trade not only with Britain but with other countries as well.

जैसे जैसे सम्राज्य का आकार विस्तृत हुआ एवं उसके संसाधनों को नियन्त्रित करने की आवश्यकता पड़ी, वैसे वैसे कुशल एवं प्रभुत्व सम्पन्न प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता भी बढ़ी। प्रारम्भ में भारतीय परम्परा के लिये सम्मान था और युरोपियन आदर्शों को धोपने का कोई प्रयास नहीं किया गया। परन्तु जब मध्य अठारहवीं शताब्दी की "युक्तिसंगत" (रेशनल) एशिया की भारणा क्षीण होने लगी, विजेताओं ने सम्प्रभुता का शासन एवं राजस्व के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिये नियन्त्रण की आवश्यकता महसूस की। संस्कृतक विशिष्टतावाद का विचार, ईसाई मत के आदेश और सुधारों की उपयोगितावादी जोश ने सम्प्रभुता को सिविल सत्ता का विचार, ईसाई मत के आदेश और सुधारों की उपयोगितावादी जोश ने सम्प्रभुता को सिविल सत्ता जिसका ब्रिटिश कर्मचारी प्रयोग करते थे, के न्याय और समरूपता के ब्रिटिश सिद्धान्त की ओर प्रवृत्त किया। ऐसी आशा की गई कि अच्छे कानून और सुदृढ़ प्रशासन, व्यक्तिगत पहल को निरंकुशता एवं अविवेकपूर्ण रीति-रिवाजों से मुक्त करने की ओर प्रवृत्त करेंगे। यह पूँजी और श्रम को स्वतन्त्र और पूर्ण अवसर देंगे तथा व्यक्तिगत अधिकारों को स्वायत्तता पर उचित बल देंगे। उपयोगितावादियों ने भारत के लिये 'विधि के शासन' की वकालत की जो कि विजेताओं के समस्त प्रदेशों के भीतर भी प्रशासन की समरूप प्रणाली ब्रिटिश हितों के अनुरूप थी। 1813 तक कम्पनी ने प्रभुत्व नौकरण या हस्तक्षेप को टालते हुए पारस्परिक भारतीय शासक के अनुरूप कार्य किया, फिर उसने उपज के अभिज्ञेय को जबरदस्ती लेने पर सतर्क नजर रखी। परन्तु यह परिदृश्य ऊपर वर्णित औद्योगिक आन्दोलनों के आदर्शवादी दबाव के अंतर्गत धीरे-धीरे बदलने लगा। साथ ही ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति ने समस्त भारत में बाजारों के एकीकरण और कृषि जनित कच्चे माल के स्रोत के रूप में उसके विकास को आवश्यक बना दिया था। इन सब के लिये सम्प्रभुत्व का अर्थ समर्थन, भारतीय अवस्थित्वस्था और समाज के भीतर अधिक घुसपैठ और न केवल ब्रिटेन के साथ परन्तु अन्य देशों के साथ भी भारतीय व्यापार पर नियन्त्रण की आवश्यकता थी।

1. What was the early European perception of Asia ?

एशिया के बारे में प्रारम्भिक युरोपियन अवधारणा क्या थी ?

2. Comment on the ideological pressure favouring the assertion of sovereignty ?

संप्रभुता का हक जमाने के समर्थन करने वाले आदर्शगत दवावों पर टिप्पणी लिखिये ?

3. What exactly was the utilitarian scheme of improvement ?

सुधार की उपयोगितावादी योजना वास्तव में क्या थी ?

4. Why did the nature of the company's rule change in 1813 ?

1813 में कम्पनी शासन की प्रकृति में क्यों परिवर्तन आया ?

5. Why was the penetration into Indian economy and society necessary ?

भारतीय अर्थ व्यवस्था और समाज में घुसपैठ क्यों आवश्यक था ?

SECTION - II

खण्ड - II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions, each to be answered in about thirty 30 words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पैंस-पैंस (5 - 5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Elaborate the term 'Chalcolithic'.

'ताम्र प्रस्तर' युग शब्द को विस्तार से बताइये।

7. Write on later vedic social changes.

उत्तर वैदिक कालीन सामाजिक परिवर्तनों पर लिखिए।

8. Explain the importance of silver coins of western Kshataraps.

पश्चिमी क्षत्रियों के चांदी के सिक्कों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

9. Underline the main features of Indian feudalism.

भारतीय सामन्तवाद की मुख्य विशेषताओं को उल्लिखित कीजिए।

10. Discuss the contribution of Pallavas to art.

कला में पल्लवों के योगदान की परिचर्चा कीजिये।

11. Enumerate the main technological changes during the Sultanate period.

सल्तनत काल के दौरान मुख्य प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।

12. Discuss the institution of slavery during Firoz Shah Tughlaq's reign.

फिरोजशाह तुगलक के शासन काल के दौरान दास प्रथा संस्था की परिचया कीजिए।

13. Enumerate the significance of Malhuz literature.

मलहूज साहित्य के महत्व का वर्णन कीजिए।

14. Examine the architectural significance of Humayun's tomb.

हुमायूँ के मकबरे के स्थापत्यिक महत्व का परीक्षण कीजिए।

15. Discuss the main features of education system under the Mughals.

मुगलों के अंतर्गत शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए।

16. Where did utilitarians differ from evangelicals in their perception on India ?

भारत के संदर्भ में उपयोगितावादियों तथा ईसाई धर्मियों के विचारों में कहाँ तक अन्तर है?

17. What do you mean by *Diku* ?

डिक्कू से आप क्या समझते हैं?

18. Why did Gandhi espouse the *Khilafat* cause ?

गांधी ने खिलफत के उद्देश्य का समर्थन क्यों किया था ?

19. What do you mean by re-ruralization of Indian economy ?

भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनःग्रामीणीकरण का क्या अर्थ है ?

20. What is the relevance of *Anandamath* to Indian freedom movement ?

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के लिये आनन्दमठ की क्या प्रासंगिकता है?

SECTION - II

भाग - II

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है तथा उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प - I

21. Critically examine the characteristics of the Aryan culture.

आर्य संस्कृति की विशेषताओं की समीक्षा करें।

22. Was Ashoka's policy of Dhamma responsible for the decline of Mauryan empire ?

क्या अशोक की धम्म नीति मौर्य साम्राज्य की अवनति के लिये जिम्मेदार थी?

23. Bring out the main features of 'Stupa architecture' with reference to Sanchi Stupa.  
सांची स्तूप के सन्दर्भ में 'स्तूप स्थापत्य' की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।
24. Why did coastal plains become more important than the river plains in early historical period ?  
प्रारम्भिक ऐतिहासिक काल में नदीय मैदानों की तुलना में तटीय मैदान ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों बन गये थे ?
25. Write on the village administration of Cholas.  
चोलों के ग्राम प्रशासन पर लिखिये।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प - II

21. Critically examine the theory of Asiatic mode of production.  
एशियाई मोड ऑफ प्रोडक्शन के सिद्धान्त की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।
22. Write a note on Sultanate's Mongol policy and its consequences.  
सल्तनत की मंगोल नीति और उसके परिणामों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
23. Does the conflict between Dara Shikoh and Aurangzeb reflect the conflict between liberal and orthodox outlooks ? Examine.  
क्या दारा शिकोह और औरंगजेब के बीच का संघर्ष एवं रुढ़िवादी दृष्टिकोणों को दर्शाता है ? समीक्षा कीजिये।
24. What is harem ? Discuss its organization and influence on the Mughal polity.  
हरम क्या है ? उसके संगठन और मुगल राजनीति पर उसके प्रभाव का वर्णन कीजिये।
25. Discuss the importance of memoirs in the preservation of historical information.  
ऐतिहासिक सूचना के संरक्षण में संस्मरणों के महत्व की विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प - III

21. How did the ryotwari settlement affect the agrarian society of Madras ?  
रैयतवारी बन्दोबस्त ने किस प्रकार मद्रास के कृषि समाज पर प्रभाव डाला था ?
22. Analyse the type of the peasant movements in the nineteenth century India.  
उनौसवीं शताब्दी के भारत में किसान आन्दोलनों के विविध प्रकार का विश्लेषण कीजिये।

23. Account for the British domination of the jute mill and its absence in the cotton mill industry.

जूट मिल पर ब्रिटिश प्रभुत्व और कपड़ा मिल उद्योग में उसकी अनुपस्थिति पर प्रकाश डालिए।

24. Comment on the ideological difference between the moderate and the extremist.

मध्यमवागी और उग्रवादों के बीच विचारधारा संबंधी अंतर पर टिप्पणी कीजिये।

25. Analyse the political impact of the INA trial.

आइ.एन.ए. मुकद्दमों के राजनैतिक प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

www.examrace.com

SECTION - IV

खण्ड-IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

**नोट :** इस खंड में एक चारतीस (40) अंकों का निबन्धप्रकार का प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain the significance of Samudragupta's diverse approaches to varied conquered areas.

विभिन्न विजित क्षेत्रों के प्रति समुद्रगुप्त के विभिन्न अभिगमों के महत्व को स्पष्ट करेंजिये।

OR / अथवा

Was the Mughal Empire characterised by a centralised state structure ?

क्या मुगल साम्राज्य की विशेषता केन्द्रीयकृत राज्य ढांचा थी ?

OR / अथवा

Write a critique of the subaltern historiography.

उपार्श्वित इतिहास लेखन पर समालोचनात्मक लेख लिखिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....